कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 01.02.2025

//प्रेस विज्ञप्ति//

कन्या महाविद्यालय की छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के भूगोल विभाग, अर्थशास्त्र विभाग एवं हिन्दी विभाग द्वारा शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। उन्होनें कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को साहित्यिक, भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों की पृष्ठभूमि का ज्ञान होने से व्यक्तित्व का विकास होता है एवं रचनात्मक क्षमता में वृद्धि होती है।

शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत अंबिकापुर एवं मैनपाट में उल्टा पानी, टाइगर पाइन्ट, टिनटिनी पत्थर, बौद्ध मंदिर, जलजली पाइंट, रामगढ़ की पहाड़ियाँ, कालिदास की नाट्यशाला, जोगीमारा गुफा, सीता वेंगरा, हाथी पोल, महामाया मंदिर (सिद्ध शक्तिपीठ) आदि का अवलोकन किया।

अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं ने मैनपाट भ्रमण के दौरान प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के साथ अनुभव किया कि यहाँ पर युवाओं को गाइड का काम, फोटोग्राफर, घुड़सवारी, फूडस्टॉल, परिवहन, होटल, रिसोर्ट आदि में रोजगार की असीमित संभावनाएँ हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में मैनपाट क्षेत्र को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कर छत्तीसगढ़ में टूरिज्म का विकास होगा, युवाओं को रोजगार मिलने से राज्य के आय में वृद्धि होगी।

भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि - भूगोल विषय चूंकि एक क्षेत्रीय विज्ञान है अतः शैक्षणिक भ्रमण से उन्हें क्षेत्रीय विभिन्नता एवं उच्चावच के स्वरूप से प्रत्यक्ष अवगत कराया गया। अपरदन के कारकों से निर्मित उच्चावच से अवगत हुए। प्रकृति एवं मानव अन्योन्यक्रिया का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त हुआ। भूगर्भिक प्रक्रिया एवं भूस्वरूप का भी अनुभव प्राप्त किए। साहित्य और प्राकृतिक सौंदर्य का गहरा संबंध है। प्रकृति के सानिध्य में ही साहित्य पल्लवित होता है।

हिन्दी विभाग की छात्राओं ने प्राकृतिक के अद्भूत सौंदर्य का निरीक्षण किया। जिससे उनकी रचनात्मक क्षमता का विकास हो। छात्राओं ने मोहन राकेश द्वारा रचित 'आषाढ़ का एक दिन' के प्रमुख पात्र तथा संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान, मेघदूत के रचयिता कवि कालीदास की नाट्यशाला का तथा छ.ग. के महान कवि मुकुटधर पांडे की छत्तीसगढ़ी मेघदूत की प्रेरणाभूमि रामगढ़ की पहाड़ियों से साहित्य सर्जना की प्रेरणा प्राप्त की। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण छात्राओं के बौद्धिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। शैक्षणिक भ्रमण के सफल आयोजन के लिए उन्होनें शुभकामनायें दी।

डॉ. सुषमा यादव, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. दीपक कश्यप, श्री नितिन देवांगन, श्री विजय चंद्राकर के मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण सम्पन्न हुआ।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

श्री राम जानकी मंदिर
रामगढ़